
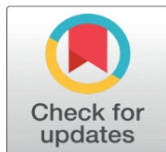
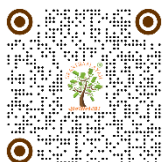


THE ROLE OF THE TEACHER IN DEVELOPING COMMUNICATION SKILLS AND SELF-CONFIDENCE IN STUDENTS

छात्रों में संचार कौशल और आत्मविश्वास का विकास में शिक्षक की भूमिका

Rajendra Kumar Singh ¹ 

¹ Principal-in-Charge (Lecturer), Eklavya Model Residential School, Vadrafnagar, Balrampur Ramanujganj, Chhattisgarh, India



ABSTRACT

English: The objective of the present study is to analyze the role of the teacher in the development of communication skills and self-confidence among students. A mixed-methods research approach was adopted for this study, wherein data was collected through interviews, observations, and questionnaire-based surveys. The study examined how a teacher's teaching style, encouragement, guidance, and the classroom environment influence students' communication skills and self-confidence. The results of the statistical and qualitative analyses clearly demonstrated that a teacher's positive demeanor, participatory teaching methods, and constructive feedback play a significant role in fostering students' communication skills and self-confidence. Students who received greater encouragement and guidance from their teachers were found to possess higher levels of self-confidence and were better able to articulate their thoughts effectively. The study further indicates that a collaborative and encouraging classroom environment enhances active student participation, thereby facilitating the holistic development of their personalities. Therefore, it is essential for educational institutions to organize skill-development workshops and to train teachers in the application of effective teaching techniques. This study offers valuable guidance for teachers, academicians, and policymakers.

Hindi: वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य छात्रों में संचार कौशल और आत्मविश्वास के विकास में शिक्षक की भूमिका का विश्लेषण करना है। इस शोध में मिश्रित अनुसंधान पद्धति को अपनाया गया, जिसमें साक्षात्कार, प्रेक्षण तथा प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण के माध्यम से डेटा संकलित किया गया। अध्ययन में यह जांचा गया कि शिक्षक की शिक्षण शैली, प्रोत्साहन, मार्गदर्शन एवं कक्षा वातावरण किस प्रकार छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास को प्रभावित करते हैं। सांख्यिकीय एवं गुणात्मक विश्लेषण के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि शिक्षक का सकारात्मक व्यवहार, सहभागिता-आधारित शिक्षण तथा रचनात्मक प्रतिक्रिया छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिन छात्रों को शिक्षक द्वारा अधिक प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, उनमें आत्मविश्वास का स्तर अधिक पाया गया तथा वे अपने विचारों को अधिक प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने में सक्षम थे। अध्ययन यह भी दर्शाता है कि एक सहयोगात्मक एवं प्रोत्साहनपूर्ण कक्षा वातावरण छात्रों में सक्रिय सहभागिता को बढ़ाता है, जिससे उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। अतः यह आवश्यक है कि शिक्षण संस्थान कौशल विकास कार्यशालाओं का आयोजन करें तथा शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षित करें। यह अध्ययन शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं नीति-निर्माताओं के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करता है।

Received 21 October 2024
Accepted 25 November 2024
Published 31 December 2024

DOI
[10.29121/ShodhSamajik.v1.i1.2024.97](https://doi.org/10.29121/ShodhSamajik.v1.i1.2024.97)

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2025 The Author(s). This work is licensed under a [Creative Commons Attribution 4.0 International License](https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/).

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.



Keywords: Communication Skills, Self-Confidence, Role of the Teacher, Motivation, Guidance, Classroom Environment, Skill Development, संचार कौशल, आत्मविश्वास, शिक्षक की भूमिका, प्रेरणा, मार्गदर्शन, कक्षा वातावरण, कौशल विकास

1. प्रस्तावना

वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में छात्रों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है, जिसमें केवल शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं, बल्कि संचार कौशल और आत्मविश्वास जैसे व्यक्तित्वगत गुण भी अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। संचार कौशल वह माध्यम है जिसके द्वारा छात्र अपने विचारों, भावनाओं और ज्ञान को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर पाते हैं, जबकि आत्मविश्वास उन्हें अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने और विभिन्न परिस्थितियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। इन दोनों गुणों का विकास छात्रों के शैक्षिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में सफलता के लिए अनिवार्य है [Hargie \(2011\)](#)। शिक्षक इस प्रक्रिया में एक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे न केवल ज्ञान के प्रदाता होते हैं, बल्कि छात्रों के मार्गदर्शक, प्रेरक और व्यक्तित्व निर्माण के प्रमुख कारक भी होते हैं। कक्षा में शिक्षक का व्यवहार, शिक्षण शैली, संवाद का तरीका तथा छात्रों के प्रति उनका दृष्टिकोण सीधे तौर पर छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास को प्रभावित करता है [Bandura \(1997\)](#)। जब शिक्षक एक सहयोगात्मक और प्रोत्साहनपूर्ण वातावरण प्रदान करते हैं, तो छात्र बिना भय के अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिससे उनके संचार कौशल में सुधार होता है और आत्मविश्वास का विकास होता है।

इसके अतिरिक्त, शिक्षण-प्रक्रिया में सहभागिता आधारित गतिविधियाँ जैसे समूह, वाद-विवाद, प्रस्तुतिकरण तथा भूमिका-अभिनय छात्रों को संवादात्मक अवसर प्रदान करती हैं, जिससे वे व्यावहारिक रूप से संचार कौशल का अभ्यास कर सकते हैं। ऐसे वातावरण में शिक्षक की भूमिका एक सहायक के रूप में होती है, जो छात्रों को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ उन्हें स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करता है [Vygotsky \(1978\)](#)। आत्मविश्वास के विकास में भी शिक्षक का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षक द्वारा दी गई सकारात्मक प्रतिक्रिया, सराहना तथा रचनात्मक आलोचना छात्रों के आत्म-सम्मान को बढ़ाती है और उन्हें अपनी क्षमताओं में विश्वास करने के लिए प्रेरित करती है। इसके विपरीत, नकारात्मक या आलोचनात्मक वातावरण छात्रों में भय, संकोच और आत्मविश्वास की कमी उत्पन्न कर सकता है, जिससे उनके संचार कौशल का विकास बाधित होता है।

आधुनिक शिक्षा में यह भी देखा गया है कि शिक्षक यदि छात्रों की व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझकर उनके अनुरूप शिक्षण रणनीतियाँ अपनाते हैं, तो वे अधिक प्रभावी ढंग से उनके संचार कौशल और आत्मविश्वास का विकास कर सकते हैं। इसके लिए शिक्षक को एक संवेदनशील, सहानुभूतिपूर्ण और प्रोत्साहनात्मक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अतः यह स्पष्ट है कि छात्रों में संचार कौशल और आत्मविश्वास का विकास एक समन्वित प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुआयामी है। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य इसी भूमिका का विश्लेषण करना तथा यह समझना है कि शिक्षक किस प्रकार अपने शिक्षण व्यवहार एवं रणनीतियों के माध्यम से छात्रों के इन महत्वपूर्ण गुणों का प्रभावी विकास कर सकते हैं।

2. अनुसंधान उद्देश्य

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य छात्रों में संचार कौशल और आत्मविश्वास के विकास में शिक्षक की भूमिका का विश्लेषण करना है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों को निर्धारित किया गया है:

- 1) छात्रों के संचार कौशल के वर्तमान स्तर का आकलन करना।
- 2) छात्रों के आत्मविश्वास के स्तर का मूल्यांकन करना।
- 3) शिक्षक द्वारा प्रयुक्त शिक्षण विधियों (जैसे समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण आदि) का छात्रों के आत्मविश्वास पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- 4) छात्रों के दृष्टिकोण से यह समझना कि शिक्षक का समर्थन एवं प्रोत्साहन उनके व्यक्तित्व विकास में किस प्रकार सहायक होता है।

3. अनुसंधान पद्धति

इस अध्ययन में गुणात्मक तथा मात्रात्मक दोनों दृष्टिकोणों को सम्मिलित करते हुए मिश्रित अनुसंधान पद्धति अपनाई गई है, जिससे विषय का व्यापक एवं गहन विश्लेषण किया जा सके। डेटा संकलन के लिए तीन प्रमुख तकनीकों साक्षात्कार, प्रेक्षण तथा सर्वेक्षण का उपयोग किया गया। साक्षात्कार के माध्यम से चयनित छात्रों एवं शिक्षकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों, विचारों एवं दृष्टिकोणों को समझा गया। यह विधि विषय की गहराई में जाकर गुणात्मक जानकारी प्राप्त करने में सहायक रही। प्रेक्षण विधि के अंतर्गत कक्षा के वातावरण, शिक्षक-छात्र अंतःक्रिया, तथा शिक्षण-सीखने की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया गया, जिससे यह समझा जा सके कि व्यवहारिक रूप में शिक्षक किस प्रकार छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास को प्रभावित करते हैं।

सर्वेक्षण के लिए संरचित प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें छात्रों से उनके संचार कौशल, आत्मविश्वास तथा शिक्षक के सहयोग से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इस प्रश्नावली में लाइकरट स्केल का उपयोग किया गया, जिससे उत्तरों को सांख्यिकीय रूप से मापा जा सके। संग्रहित डेटा का विश्लेषण उपयुक्त सांख्यिकीय एवं विषयवस्तु विश्लेषण तकनीकों के माध्यम से किया गया, जिससे निष्कर्ष अधिक विश्वसनीय एवं प्रमाणिक बन सके। अतः इस अध्ययन में बहु-पद्धति दृष्टिकोण अपनाकर शिक्षक की भूमिका का समग्र एवं वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

4. परिणाम एवं चर्चा

इस अध्ययन में साक्षात्कार, प्रेक्षण तथा सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास के विकास में शिक्षक की भूमिका को समझने का प्रयास किया गया। प्राप्त परिणामों को निम्नलिखित सारणियों एवं व्याख्याओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

सारणी 1

सारणी 1 छात्रों के संचार कौशल का स्तर (n = 100)		
स्तर	संख्या	प्रतिशत (%)
उच्च	35	35%
मध्यम	45	45%
निम्न	20	20%

व्याख्या:

सारणी 1 से स्पष्ट होता है कि अधिकांश छात्र (45%) मध्यम स्तर के संचार कौशल रखते हैं, जबकि 35% छात्र उच्च स्तर पर हैं। यह इंगित करता है कि छात्रों में संचार कौशल का विकास हो रहा है, परंतु अभी भी सुधार की पर्याप्त संभावना है।

सारणी 2

सारणी 2 छात्रों के आत्मविश्वास का स्तर (n = 100)		
स्तर	संख्या	प्रतिशत (%)
उच्च	30	30%
मध्यम	50	50%
निम्न	20	20%

व्याख्या:

अधिकांश छात्र (50%) मध्यम आत्मविश्वास स्तर के पाए गए, जबकि केवल 30% छात्र उच्च आत्मविश्वास

श्रेणी में आते हैं। यह दर्शाता है कि छात्रों में आत्मविश्वास का विकास हो रहा है, परंतु इसे और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

सारणी 3

सारणी 3 शिक्षक की भूमिका एवं संचार कौशल के बीच संबंध		
घटक	माध्य	सहसंबंध (r)
प्रोत्साहन	4.10	0.65**
सहभागिता आधारित शिक्षण	3.95	0.60**
सकारात्मक प्रतिक्रिया	4.05	0.63**

($p < 0.01$)

व्याख्या:

सारणी 3 यह दर्शाती है कि शिक्षक द्वारा दिया गया प्रोत्साहन, सहभागिता आधारित शिक्षण तथा सकारात्मक प्रतिक्रिया छात्रों के संचार कौशल के साथ सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण रूप से संबंधित हैं।

सारणी 4

सारणी 4 शिक्षक की भूमिका एवं आत्मविश्वास के बीच संबंध		
घटक	माध्य (Mean)	सहसंबंध (r)
मार्गदर्शन	4.08	0.67**
प्रशंसा	4.12	0.70**
कक्षा वातावरण	3.90	0.62**

($p < 0.01$)

व्याख्या:

यह सारणी दर्शाती है कि शिक्षक का मार्गदर्शन, प्रशंसा तथा सकारात्मक कक्षा वातावरण छात्रों के आत्मविश्वास के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से प्रशंसा का आत्मविश्वास के साथ सबसे अधिक सहसंबंध ($r = 0.70$) पाया गया।

5. चर्चा

प्राप्त परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास का स्तर सामान्यतः मध्यम है, जो यह संकेत देता है कि इन कौशलों के विकास के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध होता है कि शिक्षक इस विकास प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। साक्षात्कार और प्रेक्षण से प्राप्त गुणात्मक निष्कर्षों ने यह दर्शाया कि जिन कक्षाओं में शिक्षक छात्रों को खुलकर बोलने, प्रश्न पूछने तथा विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, वहाँ छात्रों का संचार कौशल अधिक विकसित पाया गया। इसी प्रकार, जहाँ शिक्षक सकारात्मक प्रतिक्रिया और सराहना प्रदान करते हैं, वहाँ छात्रों का आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है।

सर्वेक्षण के सांख्यिकीय परिणामों से प्राप्त सकारात्मक सहसंबंध यह पुष्टि करते हैं कि शिक्षक के व्यवहार एवं शिक्षण शैली का छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यह निष्कर्ष इस विचार का समर्थन करता है कि शिक्षण केवल ज्ञान का संप्रेषण नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया भी है, जिसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि यदि शिक्षक सहयोगात्मक, प्रोत्साहनपूर्ण एवं सहभागिता आधारित शिक्षण वातावरण प्रदान करें, तो छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास दोनों का प्रभावी विकास संभव है।

6. निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह स्पष्ट रूप से निष्कर्ष निकलता है कि छात्रों में संचार कौशल और आत्मविश्वास के विकास में शिक्षक की प्रेरणा (motivation) और मार्गदर्शन (guidance) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं निर्णायक है। जिन कक्षाओं में शिक्षक छात्रों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं, उनके विचारों को महत्व देते हैं तथा सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं, वहाँ छात्रों का आत्मविश्वास अधिक विकसित पाया जाता है और वे अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने में सक्षम होते हैं।

अध्ययन के परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि शिक्षक का सहयोगात्मक एवं प्रोत्साहनपूर्ण व्यवहार छात्रों में आत्म-सम्मान को बढ़ाता है, जिससे वे सीखने की प्रक्रिया में अधिक संलग्न (engaged) रहते हैं। शिक्षक द्वारा दिया गया उचित मार्गदर्शन छात्रों को अपनी कमजोरियों को पहचानने, सुधार करने तथा अपने संचार कौशल को निखारने में सहायता करता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षक-छात्र के बीच सकारात्मक अंतःक्रिया (interaction) एक सुरक्षित एवं खुला वातावरण तैयार करती है, जहाँ छात्र बिना झिझक अपनी अभिव्यक्ति कर पाते हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि शिक्षक की प्रेरणा और मार्गदर्शन न केवल छात्रों के संचार कौशल को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी विकसित करते हैं, जो उनके समग्र व्यक्तित्व विकास एवं भविष्य की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

7. सिफारिशें

छात्रों के संचार कौशल और आत्मविश्वास के प्रभावी विकास हेतु निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत की जाती हैं:

- 1) शिक्षण संस्थानों में नियमित रूप से कौशल विकास कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए, जिनमें संचार कौशल, प्रस्तुतीकरण कौशल तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।
- 2) शिक्षकों को आधुनिक एवं सहभागिता-आधारित शिक्षण तकनीकों जैसे समूह चर्चा, वाद-विवाद, भूमिका-अभिनय, एवं प्रस्तुतीकरण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- 3) कक्षा में एक सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण विकसित किया जाए, जहाँ छात्र बिना भय के अपने विचार व्यक्त कर सकें।
- 4) शिक्षकों को छात्रों को नियमित रूप से रचनात्मक प्रतिक्रिया और सराहना प्रदान करनी चाहिए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े।
- 5) छात्रों को व्यावहारिक गतिविधियों में अधिक शामिल किया जाए, जिससे वे वास्तविक परिस्थितियों में अपने संचार कौशल का अभ्यास कर सकें।
- 6) शिक्षकों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ, ताकि वे प्रभावी संचार एवं प्रेरणा तकनीकों को सीख सकें।

REFERENCES

- Bandura, A. (1997). *Self-Efficacy: The Exercise of Control*. W.H. Freeman and Company.
- Creswell, J. W. (2014). *Research Design: Qualitative, Quantitative, and Mixed Methods Approaches* (4th ed.). SAGE Publications.
- Hargie, O. (2011). *Skilled Interpersonal Communication: Research, Theory and Practice* (5th ed.). Routledge. <https://doi.org/10.4324/9781003117452>
- Johnson, D. W., and Johnson, R. T. (2009). *Joining Together: Group Theory and Group Skills* (10th ed.). Pearson Education.

- Likert, R. (1932). A Technique for the Measurement of Attitudes. *Archives of Psychology*, 140, 1–55.
- Pallant, J. (2020). *SPSS Survival Manual: A Step by Step Guide to Data Analysis Using IBM SPSS* (7th ed.). McGraw-Hill Education.
- Pianta, R. C., Hamre, B. K., and Allen, J. P. (2012). Teacher-Student Relationships and Engagement: Conceptualizing, Measuring, and Improving Classroom Interactions. In S. L. Christenson, A. L. Reschly, and C. Wylie (Eds.), *Handbook of Research on Student Engagement* (365–386). Springer. https://doi.org/10.1007/978-1-4614-2018-7_17
- Vygotsky, L. S. (1978). *Mind in Society: The Development of Higher Psychological Processes*. Harvard University Press.
- Wentzel, K. R. (2010). Students' Relationships with Teachers as Motivational Contexts. In T. C. Urdan and S. A. Karabenick (Eds.), *Advances in Motivation and Achievement* (Vol. 16,101–127). Emerald Group Publishing.